Date
20/5/2020

Pedagogy of Physical Science

Pedagogy of Mathematics

Pedagogy of Biological Science

B.Ed. Ist year

Period - V

Topic - निदानात्मक परीक्षण

निदानात्मक परीक्षण के उद्देश्य =

निदानात्मक परीक्षण के उद्देश्य निम्न प्रकार है।

1 = इस परीक्षण के द्वारा विद्यार्थियो को भौतिक विज्ञान विषय की अधिगम सम्बन्धी कमजोरियो एवं कठिनाइयो का निदान कर उपचारात्मक शिक्षण की व्यवस्था की जाती है।

2 = निदानात्मक परीक्षण के द्वारा विद्यार्थियो को विभिन्न श्रेणियो प्रतिभाशाली, पिछडे तथा मन्दबुद्धि इत्यादि की पहचान की जा सकती है।

3 = विद्यार्थी तथा शिक्षक की अध्ययन अध्यापन की क्रिया मे उचित सुधार करना।

4 = निदानात्मक परीक्षण के द्वारा पाठ्यक्रम मे आवश्यक परिवर्तन करना।

5 = मूल्यांकन प्रक्रिया को और अधिक सार्थक एवं प्रभावशाली बनाने मे सहायता करना।

Scanned with CamScanner

निदानात्मक परीक्षण की आवश्यकता एवं महत्व ⇒

शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में निदानात्मक परीक्षण का विशेष महत्व है। इस परीक्षण के महत्व को निम्न रूप से स्पष्ट किया गया है।

1⇒ बाल केन्द्रित शिक्षा के लिये उपयोगी।

2⇒ शैक्षिक परिस्थितियों के लिये उपयोगी।

3⇒ श्रम एवं समय की बचत।

निदानात्मक परीक्षण का निर्माण ⇒ इस प्रकार के नियोजन में निम्न बातों को ध्यान में रखना आवश्यक है।

1⇒ अधिगम कठिनाइयों तथा कमजोरियों से सम्बन्धित क्षेत्रों से परिचित होना।

2⇒ कठिनाई क्षेत्र को सीमित करना।

3⇒ विषय वस्तु विश्लेषण।

4⇒ परीक्षण प्रश्न सम्बन्धी निर्णय लेना।

5⇒ परीक्षण लेने सम्बन्धी निर्णय

Scanned with CamScanner